# “ आयना “

तराश खुदकों

कोई गैर बनके,

तब जानो तुम

कौन और कैसे ?

दिखाओ खुदको

तुम जो हो वैसे ही,

या फिर धोखा दोगे

खुदको ही, ना की दुनिया को,

फिर समज खुदको

अति सुन्दर पर मृत नारी सा ।

ग्लोबेलियन
विश्वात्मा
डॉ. चैतन्य पटेल